एकल नारी की आवाज

अंक : 31, माह : मार्च, वर्ष : 2013, निजी प्रसार हेतु

संगठन की ओर से दो दिवसीय जिला स्तरीय सदस्य सम्मेलन आयोजित

'' हम एकल हैं, पर अकेली नहीं ।''

''संगठन है एकल नारी का औजार, नही सहेंगे, अत्याचार।''

अजमेर सम्मेलन में बहनों को कानूनी जानकारी देते हुए वकील साहब तथा भीलवाड़ा सम्मेलन में अपनी समस्या सदस्यों के सामने बताती संगठन सदस्य।

इस बार संगठन की ओर से दो स्थानों पर जिला स्तरीय सदस्य सम्मेलन का आयोजन किया गया, जिसमें पहला सम्मेलन दिनांक 23 से 25 जनवरी, 2013 को गजोधर मानसिंह धर्मशाला, भीलवाड़ा में तथा दूसरा सम्मेलन दिनांक 12 से 14 फरवरी 2013 को किसान भवन, अजमेर में आयोजित किया गया। इन सम्मेलनों में भीलवाड़ा जिले की 260 सदस्याओं ने भाग लिया। वहीं अजमेर सम्मेलन में 180 सदस्याओं ने भाग लिया।

सम्मेलन के मुख्य उद्देश्य एकल महिलाओं की मुख्य समस्याओं की पहचान व विश्लेषण कर संगठन के माध्यम से समाधान करना, संगठन का महत्व, ढ़ाचा व प्रकिया समझना, एकल महिलाओं से सम्बधित सरकारी योजनाओं के बारे मे जानकारी व नियम प्रक्रिया समझना, एकल महिलाओं से सम्बधित महिला सम्पत्ति सम्बन्धित कानून व घरेलू हिंसा अधिनियम के बारे में जानना, ग्राम स्तर पर संगठित होकर एकल महिलाओं के मुद्दों को उठाना व हक, अधिकार के लिए लड़ना, नरेगा, खाद्य सुरक्षा कार्यकम, राजनैतिक प्रशानिक ढ़ाचे को समझना है।

तीन दिवसीय सदस्य सम्मेलन में प्रथम दिवस में सामाजिक कुरितियों का विरोध करते हुए सभी संगठन सदस्याओं को रोली का तिलक निकालकर लच्छा बांधकर व माला पहनाकर स्वागत किया गया व इसके पश्चात दीपप्रज्पल्लित किया गया। अपने उद्बोधन में संगठन सदस्य लादी बाई ने कहा कि '' संगठन के बिना हम अधूरे हैं आज हमे यहां आकर बहुत खुशी हुई। इतनी खुशी तो हमें अपने परिवार में भी नही मिलती ना ही इतना सम्मान मिलता है।'' साथ ही अन्य सदस्याओं ने भी अपने विचार व्यक्त किये।

अजमेर में आयोजित सम्मेलन में सम्मेलन का उद्घाटन जीनी श्रीवास्तव द्वारा तथा संगठन की

-शेष पृष्ठ-2 पर...

उमड़ते सौ करोड़ (वन बिलियन राईजिंग)

- *लड़कियों और महिलाओं पर हिंसा के विरूद्ध एक क्रांतिकारी अभियान*
- *है सौ करोड़ का कहना, हिंसा को अब नहीं सहना।*

14 फरवरी, 2013 को दुनियां में एक अरब महिलाऐं और वे लोग जो चाहते हैं कि महिलाओं पर हिंसा समाप्त होनी चाहिए तथा जो महिलाओं के अस्तित्व को जरूरी मानते हैं, ऐसे हजारों, लाखों एक्टिविस्ट और संस्थाओं ने अपने-अपने तरीके से अलग-अलग स्थानों पर 'उमड़ते सौ करोड़' अभियान को बड़े ही जोर शोर के साथ मनाया।

जैसा कि हम जानते है कि विश्व में महिलाओं के साथ हिंसा और दुराचार हमारे घरों, समुदायों और देशों में संघर्ष और अस्थिरता का रूप ले चुका है। औरतों पर बढ़ती हिंसा आज हम सबका मुद्दा बन चुका है, क्योंकि दुनिया की आधी आबादी अगर असुरक्षित और पीड़ित है तो देश और समाज किसी सूरत में सुरक्षित नहीं रह सकते। संयुक्त राष्ट्र संघ के अनुसार हर तीन में से एक औरत हिंसा का सामना करती है, यानि दुनिया में 100 करोड़ औरतें हिंसा का शिकार हो रही है। इस हिंसा को रोकना उतना ही जरूरी है जितना भूख, बीमारी और पर्यावरण के मुद्दों पर काम करना। 14 फरवरी, 2012 को 'वी' डे तथा इसकी संस्थापक लेखिका और ऐक्टिविस्ट ईव ऐन्सलर ने इस एक साल तक चलने वाले अभियान का आगाज किया। इस दिन पूरी दुनिया के एक अरब लोग जो चाहते हैं कि महिलाओं पर हिंसा समाप्त हो ने इस अभियान में बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया। यह कोई आम अभियान या आंदोलन नहीं था बल्कि यह एक प्रण है कि हिंसा और बलात्कार की संस्कृति खत्म हो।

इसलिए उमड़ते सौ करोड़ के रूप में एकल नारी शक्ति संगठन की हजारों सदस्यों ने दिनांक 14 फरवरी, 2013 को बड़ी धूमधाम से मनाया। लोगों की सोच बदले, समाज बदले, देश और दुनिया बदले इसी सोच को लेकर दिनांक 14 फरवरी 2013 को एकल नारी शक्ति संगठन की बहनों ने संगठन के कार्यक्षेत्र के 32 जिलों के लगभग 80 ब्लॉकों में अपने-अपने तरीके से मनाया।

इस दिन संगठन की लगभग 4380 सदस्यों ने अपने अपने ब्लॉकों में रैली निकालकर, केण्डिल मार्च निकाल कर, सर पर काली पट्टी बांधकर, बैठके आयोजित कर, जोर जोर के साथ 'है सौ करोड़ का कहना, हिंसा को अब नहीं सहना' नारे लगाकर, स्कूलों में वीडियो कैसेट के माध्यम से जानकारी दे कर, हस्ताक्षर अभियान के माध्यम से, अपने-अपने क्षेत्र के पदाधिकारियों को ज्ञापन देकर मनाया।

उमड़ते सौ करोड़ अभियान के तहत रैली निकाल कर प्रदर्शन करती संगठन की सदस्याऐं

संगठन की ओर से चार दिवसीय ब्लॉक कमेटी सदस्य क्षमतावर्धन प्रशिक्षण आयोजित

संगठन की बहनें अपनी समस्याओं के बारे में आपस में चर्चा कर समाधान खोजे, उन्हें विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी हो तथा संगठन के बारे में जानकर वे भी अन्य बहनों के समान शक्ति का उपयोग करते हुए जीने के लिए आगे बढ़े। इसी सोच के साथ एकल नारी शक्ति संगठन की ओर से इस बार दो स्थानों पर ब्लॉक कमेटी प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। ये प्रशिक्षण दिनांक 25 से 28 दिसम्बर, 2012 को राधेश्याम फार्म हाऊस, होली खिड़कियां बहार, करौली में आयोजित किया गया। जिसमें करौली जिले के 6 ब्लॉक-करौली, हिण्डौन, सपोटरा, रूपवास, भरतपुर, बयाना, ब्लॉकों से कुल 98 संभागियों ने भाग लिया। इसी क्रम में दूसरा प्रशिक्षण दिनांक 25 से 28 फरवरी, 2013 को बाबा रामदेव गैस्ट हाऊस, मण्डोर, जिला जोधपुर में आयोजित किया गया जिसमें 6 ब्लॉकों -फलौदी, बालेसर, बाप, चौहटन, साता, सांकड़ा से कुल 90 संभागियों ने भाग लिया।

करौली प्रशिक्षण में के माध्यम से संगठन की शक्ति के बारे में बताती सदस्याऐं तथा जोधपुर प्रशिक्षण में थाना भ्रमण के दौरान संगठन सदस्यों को जानकारी देते हुए थाना अधिकारी।

यह प्रशिक्षण एकल महिलाओं की मुख्य समस्याओं की पहचान करने व विश्लेषण करने, संगठन का महत्व व त्रिस्तरीय ढांचे को समझने व एकल महिलाओं संबन्धित सरकारी योजनाओं की जानकारी प्राप्त करने तथा योजनाओं के नियम व प्रकिया समझने, गांव व पंचायत स्तर पर समूह निर्माण की प्रकिया की क्षमता विकसित करने, ब्लॉक कमेटी सदस्यों की भूमिका व कार्य क्या है? भूमि-सम्पत्ति व अत्याचार से संबंधित कानूनों को जानना, पंचायती राज व्यवस्था को समझना, सूचना का अधिकार जैसे मुख्य उदेश्यों को लेकर यह प्रशिक्षण आयोजित किया गया था।

इन दोनों ही प्रशिक्षणों में संदर्भ व्यक्तियों द्वारा बहनों को विभिन्न जानकारियां जैसे कानूनी जानकारी, एफआईआर दर्ज करवाने व पुलिस प्रक्रिया की जानकारी, महिला सुरक्षा एवं सलाह केन्द्र की जानकारी, पंचायत समिति संबन्धित योजनाओं के बारे में जानकारी, बाल श्रमिक अधिनियम व पुत्री की शादी पर दी जाने वाली 51000 रूपये की सहायता लेने की प्रकिया की जानकारी श्रम विभाग से पधारे संदर्भ व्यक्ति द्वारा दी। इसके अलावा प्रशिक्षणों में समाज कल्याण विभाग से संबंधित जानकारी, नरेगा योजना में काम के बारे में जानकारी दी गई। महिलाओं को ग्रामीण क्षेत्र में संचालित योजनाऐं, विधवा पेशन, वृद्धा पेंशन, विकलांग पेंशन, विधवा पुत्री विवाह, विकलांग छात्रवृति योजना, सहयोग योजना, पालनहार योजना, इन्द्रावास के बारे में बताया। प्रशिक्षण में संगठन के ढांचे व संगठन के बारे में बहनों को बताया गया। रात्रि सत्र में महिलाओं द्वारा शिक्षाप्रद रोल प्ले प्रस्तुत किया गया व महिला हिंसा पर कठपुतली शो का प्रदर्शन किया गया। इसके साथ ही बहनों ने मेहन्दी व बिन्दी लगाकर रीति रिवाजों का बदलने के लिए एक कदम आगे बढ़ाया।

प्रशिक्षणों में अंतिम दिन सभी बहनों को महिला सलाह सुरक्षा केन्द्र व महिला पुलिस थाने का भ्रमण करवाया जहां केन्द्र की परामर्शदात्रीयों द्वारा केन्द्र की कार्यप्रणाली बहनों को बताई व थाना भ्रमण के दौरान थानाधिकारी द्वारा एफआईआर दर्ज करवाने की प्रकिया व महिला डेस्क के बारे में सभी बहनों को बताया।

महिलाओं के साथ थाने में किस तरह से व्यवहार किया जाता है। उसके बारे में पूरी प्रकिया बतायी गई। रात्रि सत्र में प्रशिक्षणों में शिक्षाप्रद रोल प्ले प्रस्तुत किये गये व रीतिरिवाज परिवर्तन करने हेतु सभी बहनों ने मेहन्दी लगाई व बिन्दी लगाई। प्रशिक्षणों के समापन अवसर पर सभी बहनों द्वारा एक साथ बुलन्द आवाज में नारे लगाये गये।

-पृष्ठ-1 का शेष... **संगठन की ओर से दो दिवसीय जिला स्तरीय ...**

बुजुर्ग सदस्याओं जैसे सुगनी बाई, राधा बाई, गेंदी बाई, शान्ता बाई द्वारा एक दूसरे को माला पहना कर किया गया। इसके पश्चात् सभी सदस्यों ने अपना-अपना परिचय दिया।

तीन दिवसीय सदस्य सम्मेलन में छोटे समूह बनाकर एकल महिलाओं की समस्याओं की पहचान की गई जिसमें निकलकर आया कि विधवा पेंशन समय पर नही मिल रही, नियम में आने के बाद पेंशन नही मिल रही, गरीब होने के बावजूद बीपीएल सूची मे नाम नही, सरपंच , सचिव सुनवाई नही करते, बेटे रोटी नही देते, नरेगा का काम बन्द है और जब किया तो कभी पूरी मजदूरी नही मिली, रोजगार की समस्या, परिवार और समाज का सहयोग नहीं मिलता, जमीन व सम्पत्ति में अधिकार नहीं है, साथ ही कुछ विशेष समस्याओं के केस भी निकलकर आये। दोनों ही सम्मेलनों में अलग- अलग विभाग के अधिकारीयों द्वारा महिलाओं को सम्बन्धित विभाग की जानकारीयां दी गई, भीलवाड़ा सम्मेलन में सामाजिक न्याय एंव अधिकारिता विभाग से उपनिदेशक श्री शरद शर्मा द्वारा विधवा, परित्यकता, वृद्धा, विकलांग पेंशन, विधवा की पुत्री विवाह अनुदान योजना, विधवा पुर्नविवाह, आस्था कार्ड, विधवा पालनहार आदि योजनाओं के नियम व प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी गई। जिला परिषद से श्री त्रिलोकचन्द द्वारा नरेगा में जॉब कार्ड, आवेदन प्रकिया, शिकायत करना, मजदूरी आदि के बारे में जानकारी दी गई। महिला रोग विशेषज्ञ, एडवोकेट व श्रम विभाग अधिकारी द्वारा जानकारी दी गई। वहीं अजमेर सम्मेलन में वकील साहब पुष्पेन्द्र भाटी द्वारा महिला कानून, सम्पत्ति सम्बन्धित अधिकार, घरेलू हिंसा एक्ट के बारे में जानकारी तथा समाज कल्याण विभाग से रीना चौपड़ा द्वारा विभाग की योजनाओं की जानकारी जैसे विधवा पेंशन, पालनहार, विधवा पुत्री विवाह, विधवा पुर्नविवाह आदि की जानकारी दी गई वहीं आजीविका संदर्भ ईकाई से श्याम लाल मैनारिया द्वारा रोजगार गारन्टी कानून, व राशन वितरण प्रणाली के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। सम्मेलन में जिला उद्योग केन्द्र से श्री हरिकेश मीणा द्वारा जिला उद्योग केन्द्र की योजनाओं की जानकारी दी गई।

सम्मेलन में संगठन का महत्व व ढांचे के बारे में विस्तार से बताया। कोटा सम्मेलन के द्वितीय दिवस रात्रि मे सभी महिलाओं ने जोशपूर्ण नारो के साथ '' उमड़ते सौ करोड़'' रैली का आयोजन किया। शहर के मुख्य रास्तों से होते हुऐ रैली निकालकर लोगों को सन्देश दिया कि बस! अब हम और हिंसा नही सहेंगे व केन्डल मार्च निकाला गया इसी प्रकार अजमेर सम्मेलन में मदार गेट से कलेक्ट्री तक एक विशाल रैली का आयोजन किया गया, जिसमें सभी महिलाऐं नारों की तख्तीयां हाथ में लेकर और सिर पर काली पट्टी बांध कर जोश पूर्ण नारे लगाते हुए चल रही थी।

कलेक्ट्री परिसर में पहुंच कर अतिरिक्त जिला कलेक्टर को ज्ञापन दिया गया। उन्होंने आश्वासन दिया की इस मांग पत्र को राज्य सरकार तक भेजेंगे। इसके अलावा सम्मेलनों में कठपुतली टीम द्वारा घरेलू हिंसा पर शो दिखाया गया। महिलाओं द्वारा जमीन सम्पत्ति के अधिकार पर रोल प्ले का प्रस्तुतिकरण व विश्लेषण किया गया साथ ही रात्री सत्र में दोनों ही सम्मेलनों में सांस्कृतिक कार्यकम प्रस्तुत किये गये व अपने रीति रिवाजों में बदलाव लाने के लिए एकल, विधवा व परित्यकता महिलाओं ने मेहन्दी व बिन्दी लगाई। इसके पश्चात् जोशपूर्ण गीत व नारों के साथ सम्मेलन का समापन किया गया।

आखिर रंग लाई संगठन की बहनों की मेहनत

रमा बाई संगठन की आम सदस्य है। रमा बाई पुत्री हरखू जी कुमावत, माली मोहल्ला, पुष्कर, जिला अजमेर की रहने वाली है। रमा के पिताजी की 60 बीघा जमीन देवनगर ढाणी में है। इनकी जमीन पर करमा बाई ने झोंपड़ी और ईटों का कमरा बना लिया और जमीन पर कब्जा कर लिया। जब यह बात रमा बाई को बता चली तो उन्होंने वहां जाकर करमा को कब्जा हटाने को कहा। लेकिन वहां बात लड़ाई-झगड़े पर पहुंच गई। करमा ने उन्हें पत्थर मारे और भगा दिया।

इसमें रमा को बहुत चोटें आई। इस बात को लेकर रमा पुलिस थाने में भी गई लेकिन थाने में रिपोर्ट नहीं लिखी गई और कहा गया कि यह जमीन जंगलात की है। रमा बाई दुःखी मन से संगठन की ब्लॉक कमेटी सदस्या कमला बाई के पास आई और सारी बात वहां पर बताई। यहां से कमला बाई, रमा बाई और कुछ संगठन सदस्याऐं जमीन के कागजों की फोटो कॉपी लेकर थाने गई और वह कागज दिखाते हुए जमीन के बारे में बात की लेकिन थाने वालों ने फिर वही बात दोहराई कि जमीन जंगलात की है और उन्हें वापस भेज दिया। इसके बाद संगठन की सदस्याऐं मिलकर वकील साहब जगदीश चौधरी के पास गई और उनसे रिपोर्ट लिखवाकर थाने में दी। इस पर करमा को थाने वालों ने पकड़ तो लिया लेकिन उसकी जानपहचान होने के कारण पुलिस ने उसे 2 घण्टे में ही छोड़ दिया। इसके दूसरे दिन करमा बाई उनकी जमीन पर आ गई और संगठन की महिलाओं से गाली गलोच की। इस पर संगठन की कार्यकर्ताओं ने अजमेर में संगठन कार्यकर्ता मोहनी बाई को फोन करके सारी समस्या बताई और सहयोग के लिए कहा। मोहनी बाई ने तुरन्त अजमेर थाने में जाकर वहां से पुष्कर के थाने में फोन करवाया। इसके बाद मोहनी बाई अपने साथ संगठन की 15 महिलाओं को लेकर पुष्कर आ गई।

दिनांक 19.2.2013 को संगठन की लगभग 35 बहनों ने एकत्रित होकर रमा की जमीन पर गई और वहां टेंट लगा दिया और बैठ गई और करमा को जमीन छोड़ने के लिए कहा। लेकिन करमा ने डण्डा हाथ में लेकर गंदी-गंदी गालियां देना शुरू कर दिया। फिर वहां पर गिरदावर और पटवारी को फोन करके बुलाया गया। उन्होंने जमीन नापी और उसके बाद संगठन कार्यकर्ताओं ने जमीन की तारबंदी की। इस प्रकार मुख्य सड़क के किनारे की लगभग 60 बीघा जमीन जिसकी कीमत लगभग ढ़ेड करोड़ रूपये होगी वह रमा बाई को संगठन सदस्यों की मदद से दिलवाई गई।

संगठन सदस्यों की सरकार के साथ लॉबिंग

इस बार दिनांक 13-14 व 17 दिसम्बर, 2012 को संगठन द्वारा संगठन की मांगो को लेकर राज्य सरकार के साथ लोंबिग की गई। लॉबिंग के परिणाम सकारात्मक रहे।

लॉबिंग के दौरान संगठन सदस्याऐं अपनी छः मांगो को लेकर मुख्यमंत्री, मुख्य सचिव, बजट वित्त सचिव, अदिती मेहता, महिला एंव बाल विकास मंत्री बीना काक, सचिव सरिता सिंह, सामाजिक न्याय एंव अधिकारिता विभाग मंत्री अशोक बैरवा, शिक्षा सचिव वीनू गुप्ता, शिक्षा मंत्री बृजकिशोर शर्मा से मिले व संगठन के बारे में जानकारी देते हुए संगठन की मांगो का मांग पत्र दिया। सभी ने आश्वासन दिया की मुख्यमंत्री जी व मुख्य सचिव के सामने आपकी मांगे रखेगे मांगे जायज है।

संगठन की सदस्य की हिम्मत ने तहसीलदार को थाने भिजवाया

हम भारत की नारी हैं, फूल नहीं चिंगारी है।

सन्तोष नामा पुत्री गोविन्दलाल नामा निवासी ग्रा0प0 पीपल्दा तह0 इटावा जिला कोटा की निवासी है। सन्तोष राजीव गांधी सेवा केन्द्र में रोजगार सहायक के पद पर कार्यरत है। दिनांक 22 अगस्त, 2012 को वो अपने केन्द्र पर कार्य कर रही थी, उसी समय तहसील से चपरासी आया और संतोष से बोला की आपको तहसीलदार साहब घर पर बुला रहे है, काम है। संतोष उसके साथ चली गई। वहां तहसीलदार ओंकारलाल मीणा ने चपरासी व संतोष उससे से कहा कि आप जाओ मुझे संतोष से जरुरी काम है। यह अभी आ जायेगी। दोनो वहां से चले गये। इतने में तहसीलदार ने दरवाजा बन्द कर दिया और संतोष से उल्टी सीधी बातें करने लगा। संतोष ने विरोध किया तो छेड़छाड़ करने लगा। इस पर संतोष हाथ छुडाकर व कुन्दी खोलकर वहां से भागी। बाहर तक तहसीलदार भी भागा और कहा कि किसी को बताना मत वरना ठीक नही होगा। संतोष रोते हुए राजीव गांधी केन्द्र की ओर जा रही थी वहीं रास्ते मे संगठन की जिला स्तरीय कमेटी सदस्य अकीला बानो संतोष को मिली। उसने सारी घटना अकीला, सरपंच और वहां उपस्थित सभी लोगों को बतायी। थोडी देर मे पूरा गांव एकत्रित हो गया और तहसीलदार के घर पर पहुंच गया। अकीला तहसीलदार को कुर्सी पर से खीच के बाहर ले आई। वो सन्तोष से गांव वालों के सामने मॉफी मांगने लगा और कहा की मैं जुर्माना भर दूगां, आप जो कहेगे मैं करुंगा। लेकिन अकीला व सन्तोष ने कहा कि अब तो तुझे पुलिस ही देखेगी और वो सरपंच की गाड़ी में तहसीलदार को लेकर थाने ले गई । वहां थाने वाले रिर्पोट दर्ज करने में आना कानी करने लगे। थाने में नेताओ के भी फोन आने लग गये। लेकिन अकीला ने कलेक्टर को फोन किया और पूरी घटना की जानकारी दी। तो कलेक्टर ने तुरन्त रिर्पोट दर्ज करने के आदेश दिये और धारा 354, 342 आईपीसी के तहत् रिर्पोट दर्ज की गई। इस बीच पुलिस और कलेक्ट्री से जांच गई पर लोगो ने बयान देने से मना कर दिया व तहसीलदार बार-बार अकीला से बयान बदलने के लिए व सरकारी गवाह बनने के लिए दबाव बना रहा था। लेकिन अकीला ने वही बयान दिये जो सही थे। तहसीलदार का जुर्म भी प्रमाणित हुआ और उसे कलेक्ट्री मे ए0पी0ओ कर दिया किन्तु सस्पेन्ड नही किया। बाद मे सारे वार्ड मेम्बर मिलकर संतोष पर दबाव बनाने लगे कि बयान नही बदलेगी तो रोजगार सहायक के पद से हटा देंगे। इसके लिए संगठन सदस्याऐं मुख्य कार्यकारी अधिकारी से मिली और सारी बात बताई तब उन्होंने आश्वासन दिया कि आप चिन्ता ना करें, उसे नही हटाया जायेगा।

इस प्रकार संगठन की सदस्या अकीला बानों की हिम्मत ने एक बार फिर यह दिखा दिया कि हम भारत की नारी हैं, फूल नहीं चिंगारी हैं।

संगठन की मदद से मुझे बाड़ा भी मिला और रूपये भी

गेंदी बाई पत्नि मदन जी गांव समरथपुरा, ग्राम पंचायत गोविन्दगढ़, ब्लॉक पीसांगन, जिला अजमेर की रहने वाली है। संगठन की ब्लॉक कमेटी सदस्य बैठक में उसने बताया कि ''मेरे काकी ससुर के लड़के व उसके बेटे की बहु मुझसे मेरे बाड़े को लेकर हमेशा झगड़ा करते हैं, और मारपीट करते हैं।'' ''वे कहते हैं कि ये बाड़ा हमारा है।'' फिर गेंदी बोई ने संगठन की सदस्या मैना बाई को बताया कि वे लोग उसके साथ झगड़ा व मारपीट करते हैं। इस पर सभी बहनों से गेंदी बाई के केस के बारे में चर्चा की गई।

फिर सभी ब्लॉक सदस्यों ने निर्णय लिया कि दिनांक 22.1.2013 को समरथपुरा जायेंगे। इसी बीच गेंदी बाई मैंना बाई के घर पर आई और बताया कि दिनांक 12.1.2013 को उसके काकी ससुर व उसके बेटे ने शाम को फिर झगड़ा किया है। इस पर दिनांक 13.1.2013 को सुबह कुछ संगठन सदस्य सुमित्रा बाई, मीरां बाई, मैना बाई मिलकर गांव में गई और गांव के पंचों को उसकी समस्या के बारे में बताया। फिर गांव के पंचों ने गेंदी बाई के काकी ससुर नारायण व उसके बेटे जीवन सिंह के घर पर दो-तीन पंचायत के व्यक्ति भेजे। उनसे पूछताछ की तब उन्होंने बाड़े को अपना बताया। इस पर पंचों ने व संगठन की सदस्यों ने बाड़े पर जाकर मौका मुआयना किया और लोगों से पूछताछ की तो सामने आया कि बाड़ा तो वास्तव में गेंदी बाई का ही है। इसके बाद सभी लोगों ने गेंदी बाई के काकी ससुर नारायण व जीवन राम को समझाया तो वह गेंदी बाई से माफी मांगने लग गये और बोले की हमसे गलती हो गई। लेकिन पंच नहीं माने और उन पर 2000 रूपये का जुर्माना लगाकर गेंदी बाई को दिलवाये। गेंदी बाई बहुत खुश हुई और कहा कि संगठन की मदद से मुझे मेरा बाड़ा भी मिल गया और 2000 रूपये भी मिले।

उमड़ते सौ करोड़

यह ठीक है तुम अपनी जिंदगी जिओ, एक विधवा की तरह ही सही

एक विधवा के रुप में भी यह अपने जीवन के लिये ठीक है

राजस्थान के चित्तौड़गढ़ के पितृसत्ता की गहरी पैठ वाले राजपूत समाज में, जहां महिलाओं का बिना घूंघट के/ सिर ढके घरों के बाहर निकलते नहीं देखा गया है। वहीं 45 वर्षीय पुष्पाकुंवर राणावत ने कुछ सराहनीय काम किया। पारंपरिक रुप से, राजपूत महिलाओं को शादी की रस्मों से दूर रखा जाता है, और पुष्पाकुंवर भी अपने बेटों की शादी के मुख्य समारोह में शामिल नहीं हुई, परन्तु पुष्पा समाज के कड़े बंधनों को चुनौती देते हुए शादी के पूर्व एवं बाद के सभी कार्यक्रमों में पूरे जोश से बेझिझक नाची। रेवती लाल ने पुष्पा एवं उसके भाई, जो कि राजपूत समाज का एक असहज प्रतिनिधि प्रतीत होता है, से उसकी कहानी बताने को कहा।

सवालः जब चित्तौड़गढ़ में आप बड़े हुए तो तब आप दोनों के लिये क्या चल रहा था? आपको क्या बताया गया कि आप क्या कर सकते हो और क्या नहीं?

जवाबः पुष्पा जब मैं स्कूल की कक्षा 8वीं में गई तब मेरे पिताजी मुझे आगे पढ़ाना चाहते थे, परन्तु मेरी माँ वास्तविक पितृसत्ता भावना की थी। उसने मुझे स्कूल से यह कहकर निकलवा लिया कि वे उसकी शिक्षा के अनुरुप पति नहीं खोज सकते। इस तरह मेरी पढ़ाई का अंत हो गया तथा 15 वर्ष की आयु में मेरी शादी हो गई। वास्तव में मैं आगे पढ़ना चाहती थी। मैं अच्छी छात्रा थी तथा खेलों में भी बहुत अच्छी थी।

शंभूः दुख की बात है जब पुष्पा और में बड़े हो रहे थे तब लड़कियों को पढ़ाना किसी भी तरह से आवश्यक नहीं समझा जाता था। केवल लड़कों को पढ़ने भेजा जाता था। अतः पुष्पा तो नहीं, मैं कॉलेज गया और स्नातक की डिग्री हासिल की।

पुष्पाः मुझे घर से बाहर खेलने या चबूतरे पर बैठने की भी इजाजत नहीं थी। शंभू मुझे चेहरे पर क्रीम या पाउडर नहीं लगाने देता था और जब, मैं 18 साल की हो गई, तब मैंने पहले बेटे को जन्म दिया और सात साल बाद दूसरे को।

शंभूः यह सही है। मैं शुरुआत में काफी विरोधी था। 12वीं कक्षा पूरी करते ही मेरी भी शादी हो गई। तब मेरा सामना मेरी पत्नी के परिवार वालों से हुआ, जो मेरे परिवार वालों की तुलना में ज्यादा पढ़े-लिखे थे। उनका बाहरी दुनिया से नाता मेरे से कहीं अधिक था। मेरे श्वसुर ने भारतीय रेल्वे में काम किया था। मेरे दो साले इंजीनियर थे। इसलिये, मुझे अपने बचपन की बातें सोचकर पछतावा हो रहा था। मैंने भी निश्चित किया और मेरी दोनों बेटियों ने कामर्स में मास्टर डिग्री हासिल की है।

पुष्पा, आपके पति की मृत्यु कब हुई तब आपने क्या सोचा कि अब जीवन कैसे चलेगा?

पुष्पाः मेरे पति अभय सिंह राणावत की मृत्यु 2005 में कैंसर से हुई। मैं अपने पति के मृत शरीर को उनके माता-पिता के घर से अपने घर लाई जो कि 500 किमी दूर है। मेरे ससुराल वाले तुरंत आये और कहा कि वे अंतिम संस्कार के लिये शव को ले जाना चाहते हैं। मैंने मना कर दिया तथा कहा कि हम अपने स्थान पर 30 सालों से रह रहे हैं, मैं उनका अंतिम संस्कार यहीं करना चाहती हूं। हम लड़ते रहे, मेरे पति का शव पड़ा रहा। मैं अड़ी रही और अंत में मैंने अपना रास्ता चुना। यह भी परंपरा है कि विधवा को पर्दे/ घूंघट में रहना होता है तथा वह पति की मृत्यु के छः माह तक सूरज की रोशनी भी नहीं देख सकती। उसे एक एकांत कमरे में रहना होता है। परन्तु मैंने अपने भाईयों को दो महीनों में ही ले जाने के लिये बुला लिया।

शंभूः मैं इसे दो महीने में ही इन परिस्थितियों से निकाल लाया तथा अपने घर ले गया। हमने इसका शुद्धिकरण किया तथा उसके बाद वह अपनी जिंदगी जीने के लिये आजाद थी।

क्या आपके सामने विद्रोही लकीर रही?

पुष्पाः जब मेरे पति जिन्दा थे, तब मुझे बाजार में खुद जाकर सब्जी तक खरीदने की इजाजत तक नहीं थी। उनकी मृत्यु के पश्चात् मैंने घर चलाना शुरु किया और मैं सारी चीजें अपने आप करने लगी।

अपने दोनों बेटों की शादी में बिन्दोली के दौरान नृत्य करती हुई पुष्पाकुंवर

परन्तु यह आसान नहीं था। जब मेरे पति की मृत्यु हुई तो मेरे क्षेत्र की ज्यादातर राजपूत विधवाओं की तरह मुझे भी लगा कि मेरी जिंदगी खत्म हो गई है। मैं अपने दिन लगातार रोने में बिताती। तब मेरे एक रिश्तेदार ने मुझे उदयपुर में एकल नारी शक्ति संगठन के बारे में बताया तथा मुझे यह विचार अच्छा लगा कि विधवा होते हुये भी जीवन सामान्य ढंग से जिया जा सकता है। मैं अपने जीवन पर नियंत्रण रखने लगी। मैंने महसूस किया कि आत्मविश्वास तथा आस्था से, मैं कुछ भी कर सकती हूं। अतः, जब मेरे बेटों की शादी का समय आया, मैंने कहा कि मैं सब कर लूंगी। विधवाओं को शादी की खरीददारी करने, दूल्हे सजाने की इजाजत नहीं है पर मैंने कहा कि मैं करुंगी और मैंने कर दिखाया।

शंभू, क्या आपने पुष्पा को सामाजिक बंधन को तोड़ने तथा उसके बेटों की शादी में शामिल होने के लक्ष्य को प्राप्त करने में सहयोग किया?

शंभूः बिल्कुल/ निःसंदेह, हालांकि वह शादी के मुख्य समारोह में भाग नहीं ले सकी। जो कि राजपूत महिलाओं में नहीं होता है, चाहे वे सामान्य राजपूत महिलायें हो।

जब आपने शादी से पूर्व एवं बाद की रस्मों को पूरा किया तो क्या आपके परिवार में किसी ने विरोध किया?

पुष्पाः बिन्दोली के समय, जब दूल्हे तथा घोड़े को सजाने की रस्म होती है, मेरे दोनों बेटे घोड़े पर बैठे थे, तब मेरे एक रिश्तेदार ने टोका और कहा कि पुराने रीति रिवाजों को तोड़ना नहीं चाहिये। मुझे ताना मारते हुये कहा कि "ओह देखो कैसे सजधज कर आ गई है।

''शायद उसने भी माथे पर चमकती हुई बिंदी लगाई है!" मैं उसकी ओर मुड़ी और कहा कि ये विचार अपने पास रखो। विधवा को ऐसी नजर से नहीं देखों, मुझे अकेले गणेशजी भगवान की पूजा करने दो। मैंने यह सब किया और बहुत आनन्द आया।

आपका आगे क्या करने का सपना है?

पुष्पाः मैं चाहती हूं कि राजपूत समाज में बदलाव हो। और मेरे लिये तो मैं घूमना चाहती हूं और दूनिया देखना चाहती हूं।

(उक्त साक्षात्कार राष्ट्रीय स्तर की पत्रिका 'तहलका' से लिया गया है।)

राजस्थान एकल नारी शक्ति संगठन लीडर की नेपाल सम्मेलन में भागीदारी

'विधवा महिला सशक्तिकरण की ओर समृद्ध यात्रा' पर एक तीन दिवसीय अन्तराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन नेपाल देश के काठमाण्डु शहर में किया गया।

सम्मेलन नेपाल में कार्यरत विधवा महिला समूह डब्लु.एच.आर 'विमेन फॉर हयुमन राईटस' व सेनवेद द्वारा आयोजित किया गया। सम्मेलन में राष्ट्रीय एकल नारी अधिकार मंच से 2 कार्यकारिणी सदस्यों ने भाग लिया। जिनमें राजस्थान के एकल नारी शक्ति संगठन से छग्गी बाई भी थी। तीन दिवसीय सम्मेलन में पाकिस्तान, अफगानीस्तान, नेपाल, भुटान, बांग्ला देश, श्री लंका, जापान आदि देशों से विधवा महिला लीडर्स व एकल महिलाओं के साथ काम करने वाले संगठन कार्यकर्ता, युएनविमेन से प्रतिनिधि व सेनवेद प्रतिनिधियों ने भाग लिया। सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य विश्व के विभिन्न देशों में चल रहे विधवा संगठनों का प्रभावी नेटवर्क को सशक्त करना। विधवा महिलाओं के लिये संयुक्त राष्ट्र द्वारा एक अलग प्रस्ताव लाने पर संयुक्त राष्ट्र तथा अन्य अन्तर्राष्ट्रीय संस्थाओं द्वारा विशेष बल देने की आवश्यकता तथा देश के पूरे विकास में विधवा सशक्तिकरण को महत्वपूर्ण सूचक मानना था। सम्मेलन में एकल नारी शक्ति संगठन लीडर्स ने भारत में विधवा महिलाओं की स्थिति, सरकार द्वारा विधवा महिलाओं के सुधार के लिये किये जा रहे प्रयास तथा संगठन द्वारा विधवा महिलाओं के जीवन में परिवर्तन पर प्रस्तुतिकरण दिया। साथ ही नेपाल में विधवा समूह द्वारा निकाली गयी शांति रैली में लीडर्स ने जोश के साथ भाग लिया।

संगठन के लिए एकल बहनों द्वारा बनाया गीत

मैं संगठन में जाऊंगी, चाहे लोग बोलियां बोले,
मैं मीटिंग में जाऊंगी, चाहे लोग बोलियां बोले।

सास लड़े चाहे ससुर लड़े, लड़े पड़ौस वाला,
हाथ पकड़ कर अन्दर कर दिया,
बाहर लगा दिया ताला।
ताला तोड़ के आऊंगी चाहे लोग ....

जेठ लड़े चाहे जेठानी लड़े, लड़े पड़ौस वाला
हाथ पकड़ कर अन्दर कर दिया,
बाहर लगा दिया ताला।
ताला तोड़ के आऊंगी चाहे लोग ....

देवर लड़े चाहे देवरानी लड़े, लड़े पड़ौस वाला
हाथ पकड़ कर अन्दर कर दिया,
बाहर लगा दिया ताला।
ताला तोड़ के आऊंगी चाहे लोग ....

ननद लड़े चाहे नन्दोई लड़े, लड़े परिवार सारा
मारपीट कर अन्दर कर दिया,
बाहर लगा दिया ताला।
ताला तोड़ के आऊंगी चाहे लोग ....

पुलिस लड़े या थानेदार लड़े, लड़े इन्सपेक्टर साला
डण्डे मार कर अन्दर कर दिया,
बाहर लगा दिया ताला।
ताला तोड़ के आऊंगी, संगठन को लाऊंगी, चाहे लोग ....

मैं संगठन में जाऊंगी, मैं मीटिंगों में आऊंगी चाहे लोग बोलियां बोले।

रतन देवी कुशवाह

(अजमेर)

संगठन में बहुत शक्ति है-जमनी

मेरा नाम जमनी बाई है। मैं भीलवाड़ा जिले के ईटमारिया गांव में रहती हूँ। मेरे पति का नाम स्व0 चान्दु गाडरी है। मैं एकल नारी शक्ति संगठन की सदस्य हूँ। जब मेरे पति की मृत्यु हुई तब मेरे पास उसके कियाकर्म और नुक्ते के लिए पैसे नहीं थे। इसलिए मैंने मेरे पति की जमीन देवी लाल पुत्र कालु गाडरी को 10,000/-रूपये में 5 रूपये के स्टाम्प पर लिख कर गिरवी रख दी थी। इस पैसे से मैंने अपने पति का नुक्ता किया। उधर देवी लाल के मन में पाप आ गया। उसने 5 रूपये के दूसरे स्टाम्प पर मेरा अंगुठा लगवा लिया और गांव वालों को इकट्टा कर कहा कि जमनी बाई ने उसे जमीन बेच दी है, अब उसका इस जमीन में कोई अधिकार नहीं है। मैं बहुत दुखी हुई कि अब मैं कैसे अपना गुजारा चलाऊंगी। मैंने थाने में जाकर रिपोर्ट लिखवाई लेकिन कुछ नहीं हुआ। फिर मैंने महिला सरंक्षण विभाग में जाकर सारी बात बताई और उसके बाद 3 अगस्त, 2012 को जयपुर से महिला अधिकारी वहां पर आये। उनके साथ सीडीपीओ साहब और तहसीलदार साहब भी आये। उन्होंने देवी लाल से असली कागजाद मंगवाये। देवीलाल ने डर के मारे असली कागजाद दे दिये। देवी लाल ने मुझ से पैसे लेने से भी मना कर दिया। इस प्रकार मैंने संगठन की दी हुई हिम्मत से अपनी जमीन को वापस प्राप्त किया। संगठन में बहुत शक्ति है।

संतान की उपेक्षा के शिकार वरिष्ठजन को भी मिलेगी वृद्धावस्था पेंशन

अब बोझ नहीं होगा बुढ़ापा

• पुलिस प्रदान करेगी सामाजिक सुरक्षा

ऐसे मिलेगा लाभ

सामुदायिक पुलिसिंग

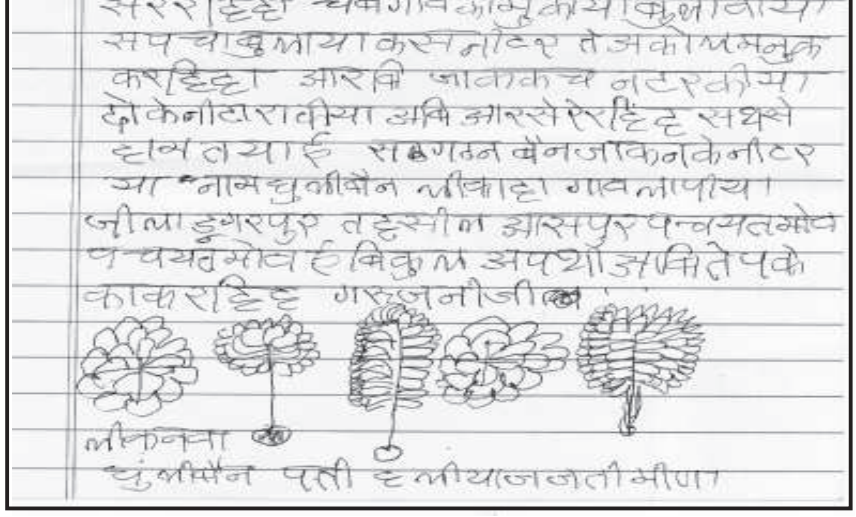

संगठन की ओर से दो दिवसीय राज्य स्तरीय कमेटी सदस्य बैठक आयोजित

हम भारत की नारी हैं , फूल नही चिन्गारी हैं।
हम अपना अधिकार जानते, नही किसी से भीख मांगते।।

जोशपूर्ण गीत व नारों के साथ दिनांक 1 व 2 दिसम्बर, 2012 को आस्था प्रशिक्षण केन्द्र, बेदला, उदयपुर में एकल नारी शक्ति संगठन की दो दिवसीय राज्य स्तरीय कमेटी सदस्य बैठक आयोजित की गई। जिसमें 29 जिलों के 70 राज्य स्तरीय कमेटी सदस्यों ने भाग लिया। राज्य स्तरीय कमेटी सदस्यों की राज्य स्तरीय कमेटी सदस्य बैठक वर्ष मे तीन बार आयोजित की जाती है।

बैठक में संगठन सदस्यों द्वारा किये गये पिछले चार माह के कार्यो का जिलेवार प्रस्तुतीकरण किया गया जिसमे मुख्यतः संगठन के नये सदस्य, बिल्ला वितरण, सरकारी योजनाओं से लाभांवित होने वाली महिलाओं के बारे में, एकल महिला के सम्पत्ति संबन्धित अधिकार के बारे में, महिला हिंसा व अत्याचार के मामलों के बारे में, एकल महिलाओं के मुद्दे व विशेष केसों के बारे में व चार माह में किये गये कार्यो का प्रस्तुतीकरण रिपोर्ट के माध्यम से किया गया। जिलेवार रिर्पोट में निकलकर आया कि चार माह मे संगठन के कुल सदस्य 1038 बने। जिससे वर्तमान में संगठन के कुल सदस्य 41,396 मे हो चुके हैं। बैठक मे संगठन के सदस्यों द्वारा अन्य जनआन्दोलन खाद्य सुरक्षा, पेंशन परिषद, राष्ट्रीय एकल नारी अधिकार मंच बैठक, यू0एन0 विमेन बैठक में भाग लिया गया, जिसकी रिर्पोट को प्रस्तुतीकरण किया गया। 11 से 13 अक्टूबर, 2012 मे आयोजित होने वाले एकल मुस्लिम महिला सदस्य सम्मेलन का मूल्यांकन किया गया। जिसमें निकलकर आया कि मुस्लिम महिलाओं के लिए यह सम्मेलन काफी उपयोगी रहा, सम्मेलन मे मुस्लिम पर्सनल लॉ, अल्पसंख्यक योजनाओं की जानकारी, भारतीय मुस्लिम महिला आन्दोलन, साम्प्रदायिकता व पुरुष प्रधान समाज को समझा, नयी-नयी जानकारी मिली व उन्हें अपनी समस्याऐं बताने के लिए एक मंच मिला। मुस्लिम एकल महिलाओं में नयी शक्ति व जोश का संचार हुआ। बैठक मे निर्णय लिया गया कि संगठन सदस्यता शुल्क राशि 10 से बढ़ाकर 20 रु हो गई है व बिल्ला 10 रु ही रहेगा तय किया गया। संगठन द्वारा सभी ब्लॉको व पंचायत व जिला स्तर पर दिनांक 14 फरवरी, 2012 तक महिला हिंसा के विरुद्ध **वन बिलियन राईजिंग केम्पेन** 'उमड़ते सौ करोड़' अभियान मनाने का निर्णय लिया गया व आयोजना तय की गई। आगामी ब्लॉक कमेटी सदस्य प्रशिक्षण की कार्यनीति तय की गई। जिसमें तय किया गया कि अगले वर्ष से एक ब्लॉक कमेटी सदस्य प्रशिक्षण में 11 ब्लाकों के 10-10 ब्लॉक कमेटी सदस्य व कुल 110 संभागी भाग लेगे। राजस्थान सरकार के साथ आगामी लॉबिंग की आयोजना व लॉबिंग के बिन्दु तय किय गये और इसी के साथ आगामी राज्य स्तरीय कमेटी सदस्य बैठक दिनांक 23-24 मार्च, 2013 को स्थान, कोटा मे तय की गयी।

संगठन का विस्तार

संगठन का विस्तार दिनों दिन होता जा रहा है जिसके परिणाम स्वरूप संगठन से नये जिले व ब्लॉकों के जुड़ने का सिलसिला लगातार जारी है। इससे राजस्थान के इन क्षेत्रों की वे महिलाऐं जो अपने आप को कमजोर समझती हैं, जो समस्याओं से लड़ने की हिम्मत नहीं बना सकती, वो महिलाऐं भी संगठन जुड़ कर अपनी समस्याओं के विरूद्ध एकजुट होकर लड़ सकती है।

इस हेतु संगठन से इस बार कोटा कलस्टर में नया जिला धोलपुर जोड़ा व धोलपुर जिले के बाड़ी ब्लॉक का गठन किया गया है। इसके लिए दिनांक 13 फरवरी, 2013 को बाड़ी ब्लॉक में संगठन की बड़ी बैठक रखी गई थी। यहां पर लगभग 237 महिलाओं ने अपनी सहभागिता बनाई। इस बैठक में अलग-अलग समूह बनाकर प्रत्येक पंचायत से तीन-तीन ब्लॉक कमेटी सदस्यों का चुनाव किया गया। अब इस ब्लॉक में हर महीने अन्य ब्लॉकों के समान ही मासिक बैठक आयोजित की जायेगी और इस तरह संगठन द्वारा एकल महिलाओं की शक्ति को संगठित करके उनकी समस्याओं का समाधान किया जायेगा।

आवश्यक सूचना

एकल नारी शक्ति संगठन से जुड़ने वाली सभी नयी सदस्याओं को जानकारी दी जाती है, कि अब संगठन में सदस्य बनने हेतु सदस्यता शुल्क बढ़ाकर 20 रूपये निर्धारित किया गया है।

सेवा में, **बुक पोस्ट**

श्रीमान/श्रीमती .....

पता .....

.....

..... **पिन कोड** .....

एकल नारी शक्ति संगठन के सदस्यों की संख्या

क्र.सं.	जिला	ब्लॉक	सदस्य
1.	अजमेर	9	4098
2.	राजसमंद	5	2005
3.	सिरोही	3	855
4.	डूंगरपुर	5	1093
5.	बांसवाड़ा	6	688
6.	उदयपुर	8	3109
7.	भीलवाड़ा	6	2167
8.	जोधपुर	5	1011
9.	नागौर	4	2071
10.	जालोर	2	922
11.	पाली	5	1576
12.	चित्तौड़गढ़	4	884
13.	टोंक	5	925
14.	बारां	6	2340
15.	बूंदी	4	1353
16.	अलवर	3	988
17.	सवाईमाधोपुर	5	1077
18.	जयपुर	4	1239
19.	कोटा	6	1973
20.	दौसा	4	1175
21.	बाड़मेर	4	804
22.	सीकर	4	698
23.	चुरू	3	1987
24.	झालावाड़	6	2608
25.	जैसलमेर	3	1191
26.	करौली	3	749
27.	प्रतापगढ़	4	698
28.	भरतपुर	3	660
29.	बीकानेर	2	161
30	हनुमानगढ़	2	252
31	झुंझनू	1	39
		134	41,396

यदि कोई एकल महिला, एकल नारी शक्ति संगठन के बारे में कोई जानकारी चाहती है या सदस्य बनना चाहती है, अथवा अपने क्षेत्र को संगठन से जोड़ना चाहती है तो वह निम्न पते पर सम्पर्क करें -

एकल नारी शक्ति संगठन

- : पता : -

39, खारोल कोलोनी, उदयपुर-313004 (राज.)

फोन :0294-2451348 फैक्स :0294-2451391

3-पीपल्दा हाऊस, सिविल लाईन, कोटा -324008

फोन : 0744-2450726 फैक्स : 0744-2329536

ईमेल : astha39@gmail.com

ईमेल : enss_kota@yahoo.com

ईमेल : ensskota@gmail.com

Website: www.strongwomenalone.org